

जनता कहिन...

कोरोना काल में जब लाडली बहना मुसीबत में थी तब सिलेंडर 1131 में और अब सरकार मुसीबत में है तो सिलेंडर 931 में !

Headline

1. Jasprit Bumrah Son: जसप्रीत बूमराह बने पिता; पत्नी संजना ने बेटे को जन्म दिया, फोटो शेयर कर जानकारी दी
2. Udayanidhi Stalin: 'सनातन धर्म को खत्म करने की हसरत वाले साक हो गए', उदयनिधि के बयान पर हंगामा जारी
3. G20: 'भारत यात्रा का है इंतजार', जी20 सम्मेलन को लेकर बोले अमेरिकी राष्ट्रपति, लेकिन इस बात से हैं निराश
4. US Open: दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक उलटफेर का शिकार; पहला सेट जीतने के बाद गंवाया मैच
5. US: 'मैं राष्ट्रपति बना तो ट्रंप को माफ कर दूंगा', भारतीय मूल के उम्मीदवार ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को घेरा

कहूँ कहूँ सरिता तीर उदासी । बसहिं ग्यान रत मुनि संन्यासी । ।
साधक सिद्ध बिगुलत उदासी । कबि कोबिद कृतग्य संन्यासी । ।

(नामस संन्यास । रामकथा 922 - काठनांद, नेपाल । मोरारी बापू)

सांध्य दैनिक

डिटैक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

"NewsPaper" "NewsPortal" "NewsChannel"

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dar.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 9 अंक : 59

शुक्रवार, सोमवार 04 सितंबर, 2023

पृष्ठ : 8, मूल्य : 2 रुपए

चिंता में सरकार

कम बारिश ने बढ़ाई टेंशन सीएम शिवराज बोले- फसलें बचाने डैम से देंगे पानी

कांग्रेस ने कहा

यात्राएं छोड़ खेतों में पहुंचें मंत्री

दिल्लिख पुरा विवेकें

भोपाल। मध्यप्रदेश में कम बारिश और सूखे की आशंका को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बड़ी बैठक ली। उन्होंने कहा कि अगस्त महीने में बारिश बहुत कम हुई है। जिसके चलते फसलें प्रभावित हो रही हैं। खरीफ की फसलें बचाने के लिए पूरी ताकत से काम करेंगे। सीएम ने कहा कि डैम से पानी छोड़कर फसलों को बचाया जाएगा। अभी बिजली की डिमांड बढ़ गई है। इसके लिए बेहतर इंतजाम करेंगे। संकट की घड़ी में सरकार किसानों के साथ खड़ी है। सीएम ने कहा कि तीन बार दिन से प्रदेश के किसानों से मिल रहा हूँ। ऐसी स्थिति में घेरा से नहीं बैठ सकता। नींद नहीं आती है। मैं बैठने वाली में से नहीं हूँ। प्रार्थना में बड़ी ताकत होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे भगवान महाकाल से बारिश के लिए प्रार्थना करने सोमवार को उठेंगे जायेंगे।



सिंचाई के लिए डैम से दिया जाएगा पानी

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल्द जल उपलब्धता समिति को बैठक कर ले। जहां डैम में पानी है, वहां से किसानों को सिंचाई के लिए पानी दिया जाए। डैमों का निरीक्षण कर इस बात की जानकारी ले लें कि अभी कितना पानी है। सीएम शिवराज सिंह ने जितना ज्ञानवान को कहा कि किसानों को सिंचाई के संबंध में पर्यटकों को भी सूचना देनी होगी। संकट की स्थिति में किसानों के लिए जो वित्तीय तरिके होते हैं उनसे किसानों को अवगत करेंगे। मैं खुद किसान भाइयों से उल्लेख करूंगा।

यात्रा निकालने की बजाए खेतों में जाए मंत्री

कांग्रेस नेता और राज्यपाल सहचर शिवके लन्का ने कहा, एडिशनल सी से आरंभ है कि अगर लोग यात्रा कर रहे हों उसे रोक कर ले। आरंभ मंत्री खेतों में जाए, किसानों से मिलें, उनका दर्द पूरे, उनकी फसलें को देखें, उनके साथ किसानों आ रही है कि नहीं आ रही है, उनकी फसलें को देखें, खाली, गाड़ी में बैठकर खाल निकालने से किसानों का भय नहीं होगा। मैं खाल हूँ कि पूरा मिनिसल इस बात किसानों की तरह खाल है। जिससे किसानों का कुछ भय से रहे।

किसानों ने कहा, पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही है...

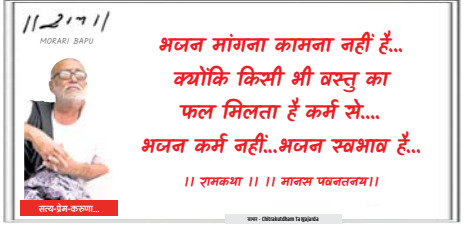
किसानों ने कांग्रेस नेताओं को बताया कि उन्हें पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही है। मात्र 4 से 5 फीट बिजली मिलती है। सूखे जैसे हालात बनने और पर्याप्त बिजली नहीं मिलने के चलते सोयाबीन की फसल खराब हो चुकी है। कम बिजली आने के चलते सिंचाई कर भी फसलें उपजकर सामान नहीं बन पा रही हैं। जिससे सोयाबीन की फसलें सूख पाई हैं। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य शिवके लन्का और शिवराजक कुमलत चौधरी ने शांभारपुर के कालपीनक्षेत्र में खेतों में जाकर फसलें देखा। कांग्रेस नेताओं ने खेतों में पहुंचकर सोयाबीन की खराब हुई फसलों को देखा।

कांग्रेस विधायक कुमलत चौधरी ने आरंभ किसानों के पुरानेमें निकरें इन्टें की वॉलेंटिगन करती है। सूखे के कारण किसानों की हलात खराब है। शीत में भी नहीं सिंचनी की। जल भण्डार वह रहे तो सिंचनी बंद कर दिया। प्याज के भाव वह रहे तो सिंचनी बंद कर दिया।

संपादकीय

कितना लाभ- कितनी हानि

एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था लागू होने के बाद फिर भी यह सवाल बना रहेगा कि अगर आगे कभी लोकसभा या कोई विधानसभा अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाती, बीच में ही सरकार गिर जाती है, तो उस स्थिति में क्या होगा। ऐसे में मध्यावधि चुनाव के बजाय क्या तब तक वैकल्पिक व्यवस्था लागू रखी जाएगी, जब तक कि अगले चुनाव का समय नहीं आ जाता? ऐसा नियम बनाने से पूरी शासन-प्रणाली गड़बड़ा सकती है। दरअसल सभी चुनाव एक साथ कराने को लेकर जहां कई सवाल खड़े हो रहे हैं, वहीं यह भी देखना होगा कि इससे कितना लाभ और कितनी हानि होगी। सरकार तबे समय से चाहती रही है कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाएं। प्रधानमंत्री कोई भीको पर दोहरा चुके हैं कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' का विधान होना चाहिए। इसे लेकर निर्वाचन आयोग मंन भी कर चुका है। विधि आयोग ने भी इस पर अपने विचार दिए हैं। अब लगता है कि यह व्यवस्था लागू करने की कोई सूरत बन सकेगी। इसके लिए केंद्र ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता के एक समिति गठित कर दी है। यह समिति किस तरह इस विचार को व्यावहारिक रूप दे पाती है, देखने की बात है। हालांकि निर्वाचन आयोग बता चुका है कि इसके लिए उसे बड़ी संख्या में वोटिंग मशीनों और दूसरे उपकरणों की जरूरत पड़ेगी। मगर अलग-अलग चुनावों पर आने वाले खर्च की तुलना में इन संरचनाओं को जुगुना कोई बड़ा काम नहीं माना जा सकता। असल मुश्किल संविधान संशोधन और फिर यह सुनिश्चित करने की है कि भविष्य में भी चुनाव एक साथ होते रहें। इसका क्या विधान होगा, यह एक जटिल काम है। आजादी के शुरुआती वर्षों में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ ही हुआ करते थे। मगर करीब बीस वर्षों बाद कुछ विधानसभाएं और फिर लोकसभा अपना तय कार्यकाल पूरा नहीं कर पाईं, जिसके चलते वह चक्र टूट गया और फिर टूटता ही गया। अब स्थिति यह है कि साल में कई चुनाव कराने पड़ते हैं। इस तरह चुनावों का भीसम कई बार साल भर बना रहता है। इससे राजनीतिक दलों के नेताओं को अपना काफ़ी वक्त इसमें देना पड़ता है। निर्वाचन आयोग को भी पूरे समय अपना ध्यान कहीं न कहीं चुनाव की तैयारियों पर लगाए रखना पड़ता है।



सँर-सपाटा

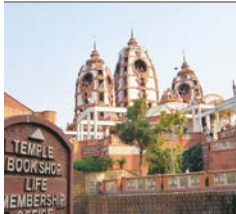
दिल्ली-एनसीआर में हैं ये फेमस कृष्ण मंदिर

जन्माष्टमी पर कर आए दर्शन

जन्माष्टमी इस साल 6 सितंबर को मनाई जा रही है। हिंदू धर्म में इस दिन का विशेष महत्व है। इस दिन से पहले ही कृष्ण मंदिरों में तैयारियां शुरू हो जाती हैं। मंदिर को खूबसूरती से सजाया जाता है, साथ ही सभी मंदिरों में भक्तिमय माहौल भी होता है। अगर आप जन्माष्टमी के शुभ दिन पर दिल्ली में हैं तो आपको दिल्ली-एनसीआर के कुछ फेमस मंदिरों के दर्शन के लिए जरूर जाना चाहिए।

दिल्ली-एनसआर के फेमस कृष्ण मंदिर

◆ इस्कॉन टेम्पल



इस्कॉन टेम्पल दिल्ली के सबसे खूबसूरत कृष्ण मंदिर है। दिल्ली-एनसीआर में मौजूद इस्कॉन सबसे पवित्र कृष्ण मंदिर माना जाता है। जन्माष्टमी के मौके पर इस मंदिर में लाखों की संख्या में भक्त कृष्ण भण्डान का दर्शन करने पहुंचते हैं। स्थानीय भक्तों के अलावा दिल्ली से स्टेट अन्य शहरों से भी भक्त यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहता है।

◆ गीता गावत्री धाम

जी-सिटी में स्थित, गीता गावत्री धाम सत्यम रिजर्व सुंदरम सोसायटी द्वारा निर्मित एक शानदार मंदिर है। मंदिर वेदव्यास ऋषि और भगवान कृष्ण को समर्पित है। हालांकि, इसमें सभी वेदवाक्यों की मूर्तियों के दर्शन भी कर सकते हैं। आर 4:30 से 12:30 और 4 से 9:30 बजे तक यहां दर्शन के लिए जा सकते हैं।

◆ लक्ष्मी नारायण मंदिर



श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर को लोग विहला मंदिर एक और फेमस मंदिर है, जो जन्माष्टमी पर अपनी भव्यता और तुलसीजी सजावट के लिए जाना जाता है। भण्डान कृष्ण के जन्म का जलन मनाने के लिए इस मंदिर को भेद खूबसूरती से सजाया जाता है। मंदिर दिन में 4:30 से 1 और फिर 2:30 से रात 9 बजे तक खुला रहता है।

◆ श्री राधा कृष्ण मंदिर



ये पूर्वी दिल्ली का सबसे अधिक भक्तजनक मंदिर है। यह खूबसूरत मंदिर अक्षयिनी सजावट के कारण जन्माष्टमी पर और भी ज्यादा सुंदर दिखता है और अक्षयिनी एक संतुर्ण अनुभव के लिए अपने पवित्र के साथ यह जलन माना चाहिए। मंदिर सुबह 5 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहता है।

अर्च
किया है..!

बहारों की नजर में
फूल और कॉटै बराबर हैं
मोहब्बत क्या करेगे दोस्त
दुश्मन देखने वाले

Highlights

1. 7 narrowly escape as moving car catches fire on road in Thane
2. Bengaluru company owner joins rival firm, takes away projects worth ₹70 lakh
3. 2 enter Delhi L-G VK Saxena's home posing as govt officers, held
4. Harish Salve gets married for 3rd time at 68 in London; pics surface
5. Disappointed: US Prez Biden on reports of China's Xi skipping G20 Summit in India

Uday Kotak resigns: From aspiring cricketer to India's richest banker – the journey

MUMBAI, (Agency). Uday Kotak, the founder-promoter of Kotak Mahindra Bank, announced his resignation as its managing director and chief executive officer on Friday, marking the end of his illustrious career spanning four decades in the financial services sector.

Kotak was set to retire from his executive role in December. However, it was cut short three months ahead of schedule. His early exit from the country's fourth-largest bank was cited as personal reasons.

This came as the Reserve Bank of India has capped the tenure of a managing director and chief executive officer at 15 years in private sector banks. This is due to the RBI's norms on leadership appointment which was reviewed after the Yes



Bank debacle.

Who is Uday Kotak?

1) Uday Kotak will continue to serve as a non-executive director on the bank's board. The 64-year-old India's richest banker founded Kotak Mahindra Bank in 1985. His entry into the finance sector was prompted after his cricketering dream was cut short due to an injury. In the 1970s, he aspired to be a cricketer and trained under legendary coach Ramakant Achrekar.

2) He was born and brought up in Mumbai and pursued education at Jamnalal Bajaj Institute

of Management Studies and Sydenham College of Commerce and Economics there. His family was into trading cotton and other agricultural commodities but he was not keen on joining his family business.

3) It was Kotak's father who persuaded him to set up his own business, offering him a 300 square feet of office space on the Navsari Building premises, a LinkedIn brief about him, written by journalist Tamal Bandyopadhyay, states. Kotak started his financial consultancy there at the age of 23 in 1982

Indonesia offers 'golden visa' to entice foreign investors

NEW DEIHI, (Agency). Indonesia is introducing a golden visa scheme to attract foreign individual and corporate investors in an attempt to boost its national economy, a statement from the ministry of law and human rights distributed on Sunday said.

"The golden visa is granting a residence permit for an extended period of five to 10 years," director general of immigration, Silmy Karim said in the statement.

The five-year visa requires individual investors to set up a company worth \$2.5 million, while for the 10



years visa, a \$5 million investment is required.

Other countries around the world including the U.S., Ireland, New Zealand and Spain have introduced similar golden visas for investors, seeking to attract capital and entre-

preneurial residents.

Meanwhile, corporate investors are required to invest \$25 million to get five-year visas for directors and commissioners. They need to invest double, or \$50 million, to gain a 10 year visa.

Different provisions apply to individual foreign investors who do not want to establish a company in the Southeast Asian country. The requirements range from \$350,000 to \$700,000 in funds that can be used to purchase the Indonesian government bonds.

